38वें राष्ट्रीय खेल और कलारीपयट्टू

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

भारतीय कलारीपयट्टू महासंघ ने भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) पर कलारीपयट्टू को **प्रतियोगी खेल** वर्ग में शामिल किये जाने के स्थान पर **प्रदर्शनात्मक खेल** का दर्जा दिये जाने का आरोप लगाया है।

- प्रदर्शन कार्यक्रम खेलों को **बढ़ावा देने के लिये प्रदर्शित किये जाते हैं** और इन्हें आधिकारिक पदक तालिका से बाहर रखा जाता है।

कलारीपयट्टू से संबंधित प्रमुख तथ्य क्या हैं?

- यह विश्व की **प्राचीनतम और वैज्ञानिक दृष्टि से सबसे उत्कृष्ट** मार्शल आर्ट्स में से एक है, जिसकी उत्पत्ति **केरल में हुई।**
  - योद्धा ऋषि **परशुराम** को कलारीपयट्टू की स्थापना का श्रेय दिया जाता है, जिसका प्रसारण बाद में **बोधिधर्म** (दक्षिण भारत के एक बौद्ध भिक्षु) ने 5**वीं शताब्दी ईस्वी में शाओलिन मंदिर में चीन में किया था।**
- **दर्शनशास्त्र: मलयालम में "कलारी"** शब्द का तात्पर्य एक **परंपरागत व्यायामशाला** से है जहाँ **"पयट्टू" (लड़ाई या व्यायाम)** का शिक्षण होता है।
  - इसमें आठ जंतुओं अर्थात **हाथी, शेर, सूअर, घोड़ा, साँप, मुर्गा, बिल्ली और मछली** की आक्रमण और रक्षा प्रणालियों से प्रेरित तकनीकों के साथ **मन-शरीर समन्वय पर ज़ोर दिया जाता है।**
- **प्रकार:** कलारीपयट्टू के दो प्रकार हैं,
  - **उत्तरी:** यह **हथियारों और शरीर के रैखिक संचलन पर केंद्रित है**, और
  - **दक्षिणी:** इसमें **कम हथियारों के साथ बहु-दिशात्मक** संचलन पर ज़ोर दिया जाता है।
- **प्रशिक्षण के चरण:**
  - **मैप्पयाट्टू:** युद्ध के लिये **शरीर को अनुकूलित करना।**
  - **कोलथारी:** छोटी और लंबी छड़ियों जैसे **लकड़ी के शस्त्रों** से प्रशिक्षण/अभ्यास।
  - **अंगथारी:** भय पर विजय प्राप्त करने के बाद **धातु के तेज़ हथियारों** से अभ्यास।
  - **वेरुमकाई:** रणनीतिक हमलों के लिए शरीर रचना पर ध्यान केंद्रित करते हुए **खाली हाथों से युद्धाभ्यास।**
- **वर्तमान संदर्भ: इसे 37वें राष्ट्रीय खेलों, गोवा** में एक प्रतिस्पर्द्धी खेल के रूप में शामिल किया गया था, लेकिन **38वें राष्ट्रीय खेलों, उत्तराखंड में इसे एक प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल कर दिया गया।**
  - कलारीपयट्टू एथलीटों ने वर्ष 2023 राष्ट्रीय खेलों में 19 स्वर्ण सहित **22 पदक** जीते।

//

राष्ट्रीय खेल 2025 के बारे में मुख्य बदिु क्या हैं?

- भारत के राष्ट्रीय खेल एक ओलंपकि शैली का बहु-खेल आयोजन है, **जसिमें राज्यों और केंद्रशासति प्रदेशों** के एथलीट पदक के लयि प्रतस्पिर्द्धा

करते हैं।

  - राष्ट्रीय खेलों का **38वाँ संस्करण 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक उत्तराखंड** में होगा।
- **प्रतयोगिता संरचना**: राष्ट्रीय खेलों में 32 **प्रतस्पिर्द्धी खेल** स्पर्द्धाएँ होंगी।
  - इसके अलावा, **चार प्रदर्शन खेल अर्थात् कलारीपयट्टू, योगासन, मल्लखंभ और राफ्टगि,** भी शामलि कयि जाएंगे।
- **थीम और टैगलाइन**: खेलों का शुभंकर **मौली** है, जो उत्तराखंड के राज्य पक्षी **मोनाल** से प्रेरति है, यह क्षेत्र की प्राकृतकि सुंदरता और सांस्कृतकि ववधिता को दर्शाता है।
  - खेलों की टैगलाइन है **"संकल्प से शखिर तक"**।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्रश्न. नम्निलखिति युग्मों पर वचिार कीजयि: (2018)

परंपरा	राज्य
1. चापचर कुट उत्सव	मज़िोरम
2. खोंगजोम परबा गाथा गीत	मणपिुर
3. थांग-ता नृत्य	सकि्कमि

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3
(d) केवल 2 और 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. भारत की संस्कृतिऔर परंपरा के संदर्भ में 'कलारीपयट्टू' क्या है? (2014)

(a) यह शैव मत का प्राचीन भक्तपिंथ,जो अभी भी दक्षणि भारत के कुछ हस्सिों में प्रचलति है।
(b) यह कांसे व पीतल के काम की एक प्राचीन शैल है, जो अभी भी कोरोमंडल क्षेत्र के दक्षणी भाग में पाई जाती है।

(c) यह नृत्य-नाटकिा का एक प्राचीन रूप है और मालाबार के उत्तरी भाग में एक जीवति परंपरा है
(d) यह एक प्राचीन मार्शल कला है, जो दक्षिण भारत के कुछ हस्सिों में एक जीवंत परंपरा है।

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/38th-national-games-and-kalaripayattu